एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कस्टर्ड एप्पल की खेती

(*सरजेश कुमार मीना[1], तेंदुल चैहान[2], कृष्णा जाट[3] एवं देशराज मीना[4])
[1]उद्यान विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
[2]उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, राजस्थान
[3]राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर, राजस्थान
[4]कृषि महाविद्यालय, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: sarjeshmeena5757@gmail.com

कस्टर्ड एप्पल, जिसे शुगर एप्पल या सीताफल के नाम से भी जाना जाता है, एक उष्णकटिबंधीय फल है जो एनोनेसी परिवार से संबंधित है। सबसे आम किस्म का वैज्ञानिक नाम *एनोना स्क्वामोसा* है। यह अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का मूल निवासी है और अब उपयुक्त जलवायु वाले दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इसकी खेती की जाती है। कस्टर्ड एप्पल न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि पोषण संबंधी लाभ भी प्रदान करते हैं, जिससे वे दुनिया के कई हिस्सों में एक लोकप्रिय विकल्प बन जाते हैं।

प्रमुख विशेषताएं

यहां कस्टर्ड एप्पल के बारे में कुछ प्रमुख विशेषताएं और जानकारी दी गई हैं:

1. **स्वरूप:** कस्टर्ड एप्पल आमतौर पर गोल या दिल के आकार के होते हैं और उनकी त्वचा पपड़ीदार या ऊबड़-खाबड़ होती है जो हरे से लेकर भूरे रंग तक होती है। गूदा मलाईदार सफेद, मुलायम और मीठा होता है, जिसके भीतर काले बीज लगे होते हैं।
2. **स्वाद और बनावट:** कस्टर्ड एप्पल का स्वाद मीठे और थोड़े तीखे स्वादों का मिश्रण है, जिसे अक्सर केला, अनानास और स्ट्रॉबेरी के संयोजन के रूप में वर्णित किया जाता है। गूदे की बनावट मलाईदार और कस्टर्ड जैसी होती है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है।
3. **पोषण मूल्य:** कस्टर्ड एप्पल विटामिन (विशेष रूप से विटामिन सी), खनिज (जैसे पोटेशियम और मैग्नीशियम), और आहार फाइबर से भरपूर होते हैं। इनमें कैलोरी और वसा अपेक्षाकृत कम होती है।
4. **स्वास्थ्य लाभ:** कस्टर्ड एप्पल का सेवन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है, जिसमें फाइबर सामग्री के कारण पाचन में सुधार, विटामिन सी से प्रतिरक्षा में वृद्धि, और संभावित विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुण शामिल हैं।
5. **पाककला में उपयोग:** कस्टर्ड एप्पल आमतौर पर चम्मच से गूदा निकालकर ताजा खाया जाता है। इनका उपयोग स्मूदी, डेसर्ट, शेक, आइसक्रीम और अन्य पाक कृतियों में भी किया जा सकता है।

कस्टर्ड एप्पल की खेती करने के चरण यहां दिए गए हैं:

1. **उपयुक्त स्थान का चयन:** अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी और पर्याप्त धूप (प्रति दिन कम से कम 6-8 घंटे सीधी धूप) वाला स्थान चुनें। कस्टर्ड एप्पल के पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में पनपते हैं।
2. **मिट्टी की तैयारी:** कस्टर्ड एप्पल के पेड़ 6.0 से 7.0 की पीएच रेंज वाली तटस्थ मिट्टी की तुलना में थोड़ी अम्लीय मिट्टी पसंद करते हैं। मिट्टी की उर्वरता और संरचना में सुधार के लिए उसमें कम्पोस्ट या अच्छी तरह सड़ी हुई खाद जैसे कार्बनिक पदार्थ मिलाकर मिट्टी तैयार करें।
3. **रोपण:** बरसात के मौसम में कस्टर्ड एप्पल के बीज या छोटे पौधे लगाएं। यदि बीज बो रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि वे ताजे हों और लगभग 1 इंच गहरे गमलों में या सीधे जमीन में रोपे गए हों।
4. **अंतराल :** विकास और वायु प्रवाह के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करने के लिए पौधों को लगभग 20 से 25 फीट की दूरी पर रखें।
5. **सिंचाई प्रबंधन:** कस्टर्ड एप्पल के पेड़ों को नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है, खासकर सूखे के दौरान। जल भराव की स्थिति से बचें, क्योंकि जड़ें सड़ सकती हैं।
6. **उर्वरक :** पेड़ को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए बढ़ते मौसम के दौरान संतुलित उर्वरक लगाएं। जैविक खाद भी फायदेमंद हो सकती है।
7. **कटाई छंटाई और सहारा:** मृत या रोगग्रस्त शाखाओं को हटाने और पेड़ को आकार देने के लिए निष्क्रिय मौसम के दौरान पेड़ की छँटाई करें। यह स्वस्थ विकास और फल उत्पादन को बढ़ावा देता है। क्षति को रोकने के लिए, विशेष रूप से हवा की स्थिति के दौरान, युवा पेड़ों को सहायता प्रदान करें। पौधों को सीधे बढ़ने में मदद करने के लिए आपको पहले कुछ वर्षों तक पौधों को खूंटियों से बांधने की आवश्यकता हो सकती है।
8. **कीट एवं रोग प्रबंधन:** एफिड्स, माइलबग्स और फल मक्खियों जैसे सामान्य कीटों पर नज़र रखें। संक्रमण के प्रबंधन के लिए उचित कीटनाशकों या जैविक कीट नियंत्रण विधियों का उपयोग करें। ख़स्ता फफूंदी जैसी बीमारियों की निगरानी करें और पता चलने पर तुरंत इलाज करें।
9. **फलों की तुड़ाई:** कस्टर्ड एप्पल आमतौर पर रोपण के 3-4 साल के भीतर पक जाते हैं। फल की तुड़ाई तब करें जब वह पूरी तरह विकसित हो जाए, थोड़ा पीला-हरा हो जाए और नरम होने लगे। पेड़ को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए फल को सावधानी से काटें।
10. **फलों की तुड़ाई उपरांत प्रबंधन:** तुड़ाई हुए फलों को चोट लगने से बचाने के लिए सावधानी से संभालें। पकने तक उन्हें कमरे के तापमान पर रखें और कुछ दिनों के भीतर उपभोग करें।

कस्टर्ड एप्पल की खेती पर क्षेत्र-विशिष्ट सलाह और दिशानिर्देशों के लिए स्थानीय कृषि विस्तार सेवाओं या विशेषज्ञों से परामर्श करना याद रखें।